

2nd Sem. Beng. Hans.

- চর্মানন্দ সংকলিত মূল: প্রাচীন পদ্মন বাহুবলীর শৈলোপ  
গোপনীয় চর্মানন্দ দ্বোত্তু মহাক্ষেত্র অসমীয়া এবং চৰকাৰৰ প্ৰতি  
ভূমিকা আৰু বৰ্ণনাৰ বৃচ্ছা উৎপন্ন আৰু বিবৃতি  
ছিলো নি, অথবা এই পদ্মন প্ৰত্যুত্ত বিলু পদ্মনামীৰ  
সমৰূপতে চৰকাৰ ঘৰানুষ্ঠান, এই পৰ্যাপ্ত পদ্মনামী  
সংকলিত আৰু সংৰক্ষণ কৰ পদ্মনামীৰ পৰ্যাপ্ত  
শৈলোপ- কৰ (২০১৫ ও এই কৰ অৱৰে পৰ্যাপ্ত  
পৰামৰ্শ পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পদ্মনামীৰ পৰ্যাপ্ত)। এইখন পদ্মনামীৰ  
পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত  
পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত  
পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত

পৰ্যাপ্ত; - চৰকাৰৰ - পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ  
পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পদ্মনামীৰ - পদ্মনামীৰ  
পদ্মনামীৰ পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ  
পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ (জাত, শৰু, চৰকাৰ)  
পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ  
পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ

পৰ্যাপ্ত; পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ  
পৰ্যাপ্ত পৰ্যাপ্ত পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ  
পৰ্যাপ্ত পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ পদ্মনামীৰ

२८ नं चर्मालदेव समाजसंघ एवं आठार्थः

क्रौंच-पात्रता तथा यहां अधिकी वाली,  
वाल - बलद्वि, शवरूपाद्विमा,

जर्बन्धव का आठार्थः ऐसु ईशु-पर्वत, शब्दी वालिया  
देखान्ते वास भृत्य, गढ़ परवते गाढ़ चल्लाहै  
श्रीमुख, अस्थ-गलाम् शाढ़ उम्मा झूलेक फलो, देखात्त  
शब्द, पागल्ल शब्द, भुल छूला ना, मिट्टि अनुवृष्टि-  
अ गेमास निनेद्रटे चर्मालिनी, ओऽ नीम चैल आद्री,  
वन्देव गाढ़ गाढ़ानि छुछुलित उल, अद्वा उलसालस  
अमेलके लोटेला, उलते छुट्टीले ओ चैल यु, धूल  
चूल शब्दी अह वडै निजेवी अली छुल, वाग्मालै।  
तिक्कीचूल घृते वना उल, शब्दी चायामूले शय्या विलुली,  
शब्द- छुलाल, देखालने वर्णनीये निद्रे अम रात छेलेन,  
तिक्कि चायामूले चूल्ले (भालन, झुल) देखालये चेल  
चिन्द्रे चायामूले वात चौलन, उत्तुरामात्रे  
चूल छुल, निलेव चालपे वाले विद्रु भृत्या,  
एक- शब्द चलेन वयम निवालये विद्रु वृणा,  
क्षुधात्र व्याटे- धूल शब्द, निर्वात्तिक्ष्यार्य  
उलन्तते अवैश- वर्णने शय्यादेव चित्तालु (झोला) शार्व,

आठार्थ त्राया: चायामूलाचूल- वर्णविव शब्दोः अथवा- आठी- लेखा  
द्वीपी वास भृत्य, एह चायामूलाचूल इलो अथवाप्रान्तान्तर्गत- चूलमूल  
द्वीपी वास भृत्य, एह चायामूलाचूल इलो अथवाप्रान्तान्तर्गत- चूलमूल  
शिखात, शब्दी अर्थात् लेखा आदेवी चूलमूल- दिन्द्रे देहात लक्षिप्रात्त,  
गलाम् चूल मन्त्राम- चूला झूलेक वासा परात्तेन, शब्द प्रदृशप्रात्त  
वर्णविव, तिक्कि चित्तवामाय चला, उत्तुदिन्द्रे शब्दी अर्थात् लेखा ओ  
उलाति अस्त विचलेप्तिम- नामा अलेखा उत्तुदिन्द्र चेल-  
ओलालन चूल आठे, एह अक्षय्यात् उत्तुदिन्द्र चित्तक  
इव चित्तोदेव एह उल पदातिते शब्दी, निर्वात्तिक्ष्यार्य  
→

କେତେ କାହାରେ ଆଜ୍ୟାଶବଳୀ- କୁଣିଲୁହାରୀ ଶବ୍ଦରୀ  
ବରେଇ, ଏହାର ବିଷ୍ଵବିଦ୍ୟାଳୟ କେତେ ହୈବ ଅଧିକ  
ଦେଖି ଚିଠିଟି ଏକ ଛୋଟ ଏବଂ ଶବ୍ଦରୀ ଅନ୍ଧରୀ  
ଏବଂ ଏଥିରୀ ଏହା କାହିଁ କିମ୍ବା କେତେ ଏକ ବରାହ  
— ଏହାର ଶୁଣାଯିବା କୁଣିଲୁହାରୀ କିମ୍ବା କେତେ ଏକ ବରାହ  
ଏବଂ ଉଲ୍ଲଙ୍ଘ କାହିଁ, ଶବ୍ଦରୀ ଅନ୍ଧରୀ କିମ୍ବା କେତେ  
କୁଣିଲୁହାରୀ ବି ଶବ୍ଦରୀ ଏହା  
ଏଥିରେ ଏହାର ଏକ ଶ୍ରେଷ୍ଠ-  
ବରାହ ଏହାର ଏକ ଶ୍ରେଷ୍ଠ-  
ବରାହ ଏହାର ଏକ ଶ୍ରେଷ୍ଠ-  
ବରାହ ଏହାର ଏକ ଶ୍ରେଷ୍ଠ-  
ବରାହ ଏହାର ଏକ ଶ୍ରେଷ୍ଠ-

### କାନ୍ଦିଲୁହାରୀ ବିଷ୍ଵବିଦ୍ୟାଳୟ

- \* - ସାମାଜିକ ଅନ୍ତିମ କାନ୍ଦିଲୁହାରୀ ପଢ଼ି-  
- ଚର୍ଚାଲୀ, ବୃକ୍ଷବିଜ୍ଞାନ ଆଜ୍ୟାଶବଳୀ ପ୍ରେସରେ କୁଣିଲୁହାରୀ  
କେତେ କାନ୍ଦିଲୁହାରୀ ଏକ ପାଠ୍ୟ ବିଷ୍ଵବିଦ୍ୟାଳୟ  
କେତେ କାନ୍ଦିଲୁହାରୀ ଏକ ପାଠ୍ୟ ବିଷ୍ଵବିଦ୍ୟାଳୟ  
କେତେ କାନ୍ଦିଲୁହାରୀ ଏକ ପାଠ୍ୟ ବିଷ୍ଵବିଦ୍ୟାଳୟ
- \* - କାନ୍ଦିଲୁହାରୀ ଏକ ଶବ୍ଦରୀ ଏହାର, କୁଣିଲୁହାରୀ, କାନ୍ଦିଲୁହାରୀ,  
କୁଣିଲୁହାରୀ, କାନ୍ଦିଲୁହାରୀ ଏକ ଶବ୍ଦରୀ,
- \* - କାନ୍ଦିଲୁହାରୀ ଏକ ଶବ୍ଦରୀ ଏହାର, କୁଣିଲୁହାରୀ-  
କାନ୍ଦିଲୁହାରୀ - କାନ୍ଦିଲୁହାରୀ ଏକ ଶବ୍ଦରୀ ଏକ ଶବ୍ଦରୀ  
କାନ୍ଦିଲୁହାରୀ ଏକ ଶବ୍ଦରୀ ଏକ ଶବ୍ଦରୀ

\* ପାତଙ୍ଗଶ୍ରୀ କୁଳ- ବ୍ୟକ୍ତି ଲାଭଗଳି - ୧, ୬, ୭, ୯, ୧୧,  
୧୨, ୨୦, ୨୨, ୩୧, ୩୩ ଓ ୩୫ - (ମହେ ୧୧ ମୁଣ୍ଡ, ଅନ୍ୟାନ୍ୟ  
ପ୍ରଥମତ କୁଳ କୁଳି - ଚନ୍ଦ୍ରଶ୍ରୀ, ସବ୍ରାତୀ, ଶାର୍ଦ୍ଦିତ୍ତ,  
ଶ୍ରୀମତୀ, ଦେଖାର୍ଥ, କୋଣଶୀ, ଅକାବଧୀ, ମହିମା  
ଶ୍ରୀମନ୍ କୁଳ, —

\* କୁଳ - - ଚର୍ମାଜୀତିତେ ପ୍ରାଚୀ ଲାଭଗଳି  
କୋଣାର୍କ କୁଳ - କନ୍ଦାଳ ପାତଙ୍ଗଶ୍ରୀ, ୧୫  
କୁଳ କୁଳ ପ୍ରଥମଦେବ ହୃଦୟ ବଳେ ଶ୍ରୀକିରଣମ୍ଭେ  
କୀର୍ତ୍ତାର ସ୍ମରଣ ବ୍ୟାପ୍ତ କୁଳ ଚକ୍ରନ୍ତ ପାତଙ୍ଗ ପାଦ  
ଅନ୍ତର୍ବାହି ପର କୋତାର ଅନ୍ତର୍ବାହି କୁଳକୁ  
କୁଳ କୁଳ କୁଳକୁ ଗାୟତ୍ରୀ କୁଳ, କାମିଦୀ  
ଅନ୍ତର୍ବାହି ଚିତ୍ତାତ ପାତଙ୍ଗଶ୍ରୀ - କୁଳପଦ୍ମନାଭ ପୂର୍ବିଦୂର୍ଗ,  
- ଛାତ୍ର କୁଳ କାର୍ଯ୍ୟକୁ ବ୍ୟାପ୍ତ ପାତଙ୍ଗଶ୍ରୀ,  
କିଷାତିତେ କୁଳ ପାଦ କୁଳ 'କୁଳ' ଏକା କୁଳ, —

\* - ଚର୍ମାପଦ୍ମ ପ୍ରକଳ୍ପକ ବ୍ୟକ୍ତାବାବ -  
ଅନ୍ତର୍ବାହିକୁ ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ - ୬ କର୍ଣ୍ଣ ପାଦ  
(ଅନ୍ତର୍ବାହି କାର୍ଯ୍ୟକୁ ଅବ୍ୟବର୍ତ୍ତନ କାମିଦୀ)  
ଅନ୍ତର୍ବାହି କାର୍ଯ୍ୟ ନିତି ଅନ୍ତର୍ବାହି, ୨୭ କର୍ଣ୍ଣ  
ପ୍ରକଳ୍ପକ କୁଳ କାର୍ଯ୍ୟ ମାତ୍ରା, ୨୭ କର୍ଣ୍ଣ,  
ଏବଂ କୁଳ (କୋଣାର୍କ-କିଷାତିତେ କୁଳ) ଅନ୍ତର୍ବାହି, ୨୭,